कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

नवीन शिक्षा नीति अंतर्गत महाविद्यालय में संचालित होने वाले पाठ्यकमों की सूची एवं परीक्षा योजना

कला संकाय तृतीय वर्ष सत्रः 2023–2024

क्र.	पाठ्यकम कला संकाय तृतीय वर्ष	सैद्धांतिक अंक		प्रायोगिक अंक		अंक योग
1	अनिवार्य पाठ्यकम	आंतरिक	बाह्य	ांतरिक	बाह्य	कुल
	भाषा एवं संस्कृति	––	50	––	––	50
	अंग्रेजी भाषा	––	50	––	––	50
	डिजिटल जागरूकता	––	50	––	––	50
	व्यक्तित्व विकास	––	50	––	––	50
2	मुख्य/गौण विषय (मेजर/माईनर) (कोई एक)					
	मेजर–I	30	70	––	––	100
	मेजर–II	30	70	––	––	100
	माईनर	30	70	––	––	100
	अर्थशास्त्र					
	समाजशास्त्र					
	राजनीति विज्ञान					
	हिन्दी साहित्य					
	अंग्रेजी साहित्य					
3	वैकल्पिक विषय (कोई एक)	30	70	30	70	200
	––					
	––					
	––					
	––					
	––					
	––					
	––					
	––					
	––					
	––					
04	कौशल संवर्धन (कोई एक)	30	70	30	70	200
	––					
	––					
	––					
	––					
	––					
05	इंटर्नशिप	50			50	100
	कुल योग –					1000

परीक्षा प्रभारी
1. डॉ. विजय सोलंकी –
2. डॉ. कीर्ति यादव

निदेशक

परीक्षा प्रभारी
कस्तूरबा ग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबा ग्राम, इन्दौर

Syllabus – B.A. Ist Year – Academic Session 2023-24
(Under NEP 2020 & As per Ordinance 14A)

PROGRAMME OUTCOME AND PROGRAMME SPECIFIC OUTCOME

PROGRAMME : B. A.

1. PROGRAMME OUTCOME –

The B.A. Programme in the college is designed as per the guidelines of New Education Policy-2020. Our student are allowed to choose from any of the three subject from cluster of Sociology, Political Science, Economics, Hindi Literature & English Literature.

On successful completion of this programme students would be able to engage in scholarly inquiry to identify and investigate questions theoretical & applied nature on successful completion, they also can :-

- Go for Higher Studies in different areas.
- Appear in different competitive exams for employment.
- Express intellectual awareness and competencies.
- Apply appropriate research methodologies to specific problems.

2. PROGRAMME SPECIFIC OUTCOME - B.A. IN ECONOMICS (MAJOR & NON-MAJOR) –

On successful completion of the course student will be able to : -

1. Develop understanding of basic concepts of Economics.
2. Acquaint with some Statistical and mathematical methods that can be apply in Economics.
3. Acquaint with the measurement of development with the help of theories along with the conceptual issues of human development, poverty and inequality.
4. Acquaint development issues of Indian Economy and enables the learners to understand the development problems of India.
5. Develop understanding of theoretical analysis, practical knowledge and Quantitative Reasoning.

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

स्थापना वर्ष:1963

E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065

// शैक्षणिक सत्रः 2023–24 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषयः– अर्थशास्त्र

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम): वृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र (मेजर–I) कोर्स कोड/A3-ECON1D
व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे कुल क्रेडिटः 06 कुल अंकः 30+70 उत्तीर्ण अंकः 35

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. विद्यार्थीयों विकास के सिद्धांतों और वृद्धि के मॉडलों को समझने में सक्षम होंगे ताकि विभिन्न देशों, राज्यों और क्षेत्रों के विकास प्रकिया की व्याख्या कर सकें।
2. विद्यार्थी भारत में वृद्धि और विकास के विभिन्न संकेंतों का अनुभवजन्य विचरण जानकर विश्व के अन्य देशों की तुलना में इसकी भिन्नता की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।
3. विद्यार्थी विकासशील दुनिया की समस्याओं का विश्लेषण करने के लिये वृद्धि और विकास के सिद्धांतों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**विकास अर्थशास्त्र का परिचय –** 1. आर्थिक विकास एवं आर्थिक वृद्धि की अवधारणा एवं इसके निर्धारक तत्व 2. आर्थिक विकास के संकेतांक एवं बाधाएं 3. सूमंगलम विकास की अवधारणा, विशेषताएं एवं प्रासांगिकता 4. सतत् विकास का वैदिक दृष्टिकोण 5. बौद्ध दर्शन का अष्टांग मार्ग 6. जैन धर्म के पांच सिद्धांत 7. सकल घरेलू आनंद की अवधारणा, विशेषताएं एवं प्रासंगिकता 8. मध्यप्रदेश सरकार के राज्य आनंदम् संस्था के कार्यों की समीक्षा	
इकाई–2	**विकास के संकेतांक एवं मापने के विभिन्न उपाय –** 1. प्रति व्यक्ति आय (PCI) 2. भौतिक जीवन गुणवत्ता सूचकांक (PQLI) 3. मानव विकास सूचकांक (HDI) 4. लिंग संबंधी विकास सूचकांक (GDI) 5. लिंग सशक्तिकरण उपाय (GEM) 6. मानव गरीबी सूचकांक (HPI) 7. सेना का क्षमता दृष्टिकोण 8. असमानता और कूजनेट्स का उल्टा 'U' वक 9. सतत् विकास का लक्ष्य (SDGS) 2030 एजेंडा	
इकाई–3	**वृद्धि के सिद्धांत –** 1. अनेकांत की अवधारणा 2. एडमस्मिथ का सिद्धांत 3. मार्क्स का आर्थिक विकास का सिद्धांत 4. शुम्पीटर का सिद्धांत 5. रोस्टोव के विकास की विभिन्न अवस्थाएं 6. कांतिक न्यूनतम प्रयास का सिद्धांत 7. संतुलित और असंतुलित विकास 8. प्रबल प्रयास सिद्धांत	
इकाई–4	**विकास मॉडल –** 1. भौतिकवाद का चार्वाक सिद्धांक 2. जॉन राबिन्सन का मॉडल 3. हेरोड डोमर का मॉडल 4. नेल्सन भिन्न आय संतुलन जाल का मॉडल 5. सोलो का नव प्रतिष्ठित विकास का सिद्धांत 6. कार्डोर का वृद्धि मॉडल 7. महालनोबिस चार क्षेत्रीय वृद्धि मॉडल 8. पर्यावरण और विकास के बीच अंतर संबंध	

अविरत.....2

VJcw

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2023–24 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय:– अर्थशास्त्र

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम) : जैण्डर अर्थशास्त्र (गाइनर–II) — कोर्स कोड / A3-ECON2T
व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे कुल क्रेडिट: 06 — कुल अंक: 30+70 उत्तीर्ण अंक: 35

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. विद्यार्थी जेण्डर अर्थशास्त्र के क्षेत्र में सैद्धांतिक अवधारणाओं से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थियों में जेण्डर विश्लेषण की पद्धतियों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
3. विकास में महिला जनांकिकी की भूमिका को समझने में विद्यार्थियों की क्षमता विकसित होगी।
4. विकास को प्रभावित करने वाले विभिन्न जेण्डर मुद्दों का विश्लेषण करने की योग्यता प्राप्त होगी।

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**परिचय –** 1. जेण्डर अध्ययन, अवधारणा, उद्देश्य, प्रकृति एवं क्षेत्र 2. जेण्डर अध्ययन की महत्व 3. भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति – प्रारंभिक वैदिक काल से वर्तमान तक 4. महिला अध्ययन केंद्रों की भूमिका – भारत में महिला अध्ययन की नवीन प्रवत्ति 5. जेण्डर समानता – एक सामाजिक, आर्थिक आवश्यकता 6. जेण्डर असमानता – प्रकार कारण एवं प्रभाव 7. वैदिक शिक्षण एवं महिलाएं	
इकाई–2	**महिला जनांकिकी एवं स्वास्थ्य –** 1. महिला जनांकिकी की विशेषताएं 2. बालिकाओं की जनसंख्या एवं आयु संरचना 3. जेण्डर अनुपात एवं प्रजनन क्षमता – भारत में घटते जेण्डर अनुपात एवं प्रजनन दर के कारण 4. प्रजननता के सिद्धांत एवं माप एवं उसका नियंत्रण 5. महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति – स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारण 6. जेण्डर पूर्वागृह एवं खराब स्वास्थ्य – स्वाथ्य देखभाल प्रणाली 7. भारत में महिलाओं की स्थिति के उत्थान में शिक्षा की भूमिका 8. प्रमुख भारतीय महिलाओं का संक्षिप्त परिचय 8.1 मैत्रेयी 8.2 गारगी 8.3 लोपामुद्रा 8.4 रानी लक्ष्मीबाई 8.5 कितुर चेनम्मा 8.6 रानी कमलापति 8.7 रानी दुर्गावती 8.8 जयमती कुवरी 8.9 अहिल्या बाई होलकर	

VJ

अविरत.....2

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
स्थापना वर्ष:1963

// शैक्षणिक सत्र: 2023–24 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय:– राजनीति विज्ञान

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम) : भारत की विदेश नीति (मेजर– I) कोर्स कोड / A3-POSC1D
व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे कुल क्रेडिट: 06 कुल अंक: 70 उत्तीर्ण अंक: 35

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. विद्यार्थीयों को यह पाठ्यक्रम भारत की विदेश नीति की एक प्रमाणित समझ विकसित करने में सहायता करेगा।
2. विदेश नीति के एतिहासिक संदर्भ और समसामयिक घटनाक्रम से अवगत कराएगा।
3. यह पाठ्यक्रम छात्रों को विश्लेषण करने और भारत के राजनीतिक एजेंडे और भागीदार देशों के साथ वर्तमान जुडाव से परिचित होने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करेगा।

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**भारत की विदेश नीति में निरंतरता और परिवर्तन –** 1. भारतीय विदेश नीति का एतिहासिक परिदृश्य। 2. भारतीय विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांत व निर्धारक तत्व। 3. विदेश नीति और राष्ट्रीय हित। 4. गुटनिरपेक्षता की नीति। 5. भारत की भू–आर्थिक रणनीति। 6. भारत की पूर्व की ओर देखो नीति।	
इकाई–2	**भारत एक अग्रणी शक्ति के रूप में –** 1. भारत एक वैश्विक आर्थिक और सैन्य शक्ति। 2. बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और भारत। 3. भारत की विदेश नीति के नए मोर्चे, बाहरी, आंतरिक, ध्रुवीय क्षेत्र, जलवायु परिवर्तन। 4. भारत और हिंद महासागर। 5. भारत की भू–राजनीति और भू–अर्थशास्त्र वन रोड, वन बेल्ट मुद्दा। 6. इडो–पैसिफिक का उदय और भारत की एक ईस्ट पॉलिसी।	
इकाई–3	**प्रमुख महाशक्तियां और भारत –** 1. संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत के संबंध। 2. रूस के साथ भारत के संबंध। 3. भारत–चीन संबंध। 4. भारत यूरोपीय संघ संबंध।	
इकाई–4	**भारत और अंतर्राष्ट्रीय मंच –** 1. संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की भूमिका। 2. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग। 3. अंतराष्टीय संगठनों के लोकतंत्रीकरण हेतु भारत की मांग। 4. भारत व परमाणु सिद्धांत: एनपीटी और सीटीबीटी। 5. पर्यावरण संरक्षण में भारत की भूमिका। 6. आतंकवाद की समस्या और भारत। अविरत.....2	

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
स्थापना वर्ष:1963

// शैक्षणिक सत्र: 2023–24 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषयः– राजनीति विज्ञान

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम) : लोक प्रशासन (मेजर–II) कोर्स कोड / A3-POSC2D
व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे कुल क्रेडिटः 06 कुल अंकः 70 उत्तीर्ण अंकः 35

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. विद्यार्थीयों में लोक प्रशासन के अकादमिक विषय से संबंधित प्रमुख अवधारणाओं की समझ होना।
2. लोक वित्त एवं लोक कार्मिक के प्रमुख क्षेत्रों की प्रशासनिक कियाओं एवं कार्यों का ज्ञान प्राप्त करना।
3. भारत में नौकरशाही एवं लोक सेवा भर्ती प्रकिया से परिचित होना।
4. समकालीन प्रशासनिक व्यवस्था के प्रमुख मुद्दों पर ज्ञानवर्धन होना तथा विश्लेषण क्षमता विकसित करना।

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**लोक प्रशासन का परिचय –** – लोक प्रशासनः अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र। अकादमिक विषय के रूप में लोक प्रशासन का विकास। राजनीति – प्रशासन द्वेतीाव। लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन – विशेषताएँ, अंतर एवं समानताएँ।	
इकाई–2	**संगठन एवं इसके सिद्धांत –** – संगठन : अर्थ, संगठन के आधार, संगठन के प्रकार – विशेषताएँ, गुण एवं दोष। संगठन के सिद्धांत – पदसोपान, आदेश की एकता, नियंत्रण का क्षेत्र, समन्वय, पर्यवेक्षण, प्राधिकार एवं उत्तरदायित्व, केन्द्रीकरण एवं विकेन्द्रीकरण, प्रत्यायोजन। – मुख्यालय – क्षेत्र सम्बन्ध –	
इकाई–3	**कार्मिक प्रशासन एवं नौकरशाही –** – कार्मिक प्रशासन – अर्थ, उद्देश्य, क्षेत्र एवं महत्व। भर्ती – अवधारणा, सिद्धांत, प्रकार (गुण एवं दोष सहित)। प्रशिक्षण – अर्थ, उद्देश्य, प्रकार एवं महत्व। – पदोन्नति – अर्थ एवं सिद्धांत। – नौकरशाही : अवधारणा, प्रकार, मैक्स वेबर की आदर्श प्रकार की नौकरशाही एवं इसकी प्रासंगिकता। भारतीय नौकरशाही : चारित्रिक विशेषताएँ : राजनीतिक एवं मत्री – नौकरशाह संबंध।	
इकाई–4	**बजट –** – बजट : अवधारणा, सिद्धांत एवं महत्व। बजट के प्रकार : विशेषताएं, गुण–दोष लेखांकन एवं लेखा परिक्षण : अवधारणा एवं महत्व। – भारत में बजटीय प्रकिया : बजट – निर्माण, बजट – अधिनियमन एवं बजट – कियान्वयन। बजटीय प्रकिया में संलग्न संस्थाएं। – भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक : नियुक्ति प्रावधान, शक्तियां एवं कार्य, आलोचना।	
इकाई–5	**भारत में प्रशासन की नवीन प्रवृत्तियां –** – सुशासन : अवधारणा, तत्व, विशेषताएँ एवं महत्व। ई–शासन : अर्थ, विशेषताएं, क्षेत्र, प्रकार एवं महत्व। – सार्वजनिक, निजी भागीदारी (पीपीपी) : अवधारणा, प्रकार एवं महत्व। – जन–भागीदारी : अर्थ, प्रकार एवं महत्व। भारत में जन भागीदारी का स्वरूप। अविरत.....2	

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1983
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2023–24 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय : हिन्दी साहित्य

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम): काव्यांग विवेचन एवं जनपदीय भाषा साहित्य (बुंदेलीय/मालवीय/बघेलीय)
कोर्स कोड/A3-HLIT1D

व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे कुल क्रेडिट: 06 कुल अंक: 30+70 उत्तीर्ण अंक: 35

पाठ्यक्रम का प्रकार – माइनर/Elective (सैद्धांतिक) – I

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. विद्यार्थी काव्य के प्रमुख अंगों का अध्ययन कर काव्य को भलीभांति समझ सकेंगे।
2. जनपदीय भाषा एवं साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।
3. जनपदीय भाषा साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता से परिचित होंगे।
4. विद्यार्थी जनपदीय भाषा कौशल में पारांगत होंगे।

इकाई	विषय	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**काव्य शास्त्रीय धारणाएं –** 1. काव्य लक्षण 2. काव्य प्रयोजन 3. काव्य हेतु	
इकाई–2	**काव्य के प्रमुख अंग –** रस विवेचन अलंकार प्रमुख अलंकार – (उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, यमक, श्लेष, अनुप्रास) शब्द शक्ति काव्य गुण – (प्रसाद, माधुर्य औज) द्वंद – दोहा, सोरठा, चौपाई, कवित्त, सवैया	
इकाई–3	1. जनपदीय भाषा – (बुन्देली/मालवी/बघेली) 2. जनपदीय भाषा का भौगोलिक क्षेत्र विस्तार 3. जनपदीय भाषा – (बुन्देली/मालवी/बघेली की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि) 4. जनपदीय भाषा का इतिहास	
काई–4	**जनपदीय भाषा के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएं –** **अ– बुंदेली भाषा और इतिहास, प्रमुख कवि (व्याख्या एवं समीक्षा)** 1. जगनिक – आलह खण्ड – अंश – सुमिरन करके नारायण को ..... 2. ईसूरी – वंदना – सुमिरन करो शारदा माता 3. भक्तिपरख फागें – हमखो कोउ रजड की सानी, दूजी नॉइ दिखानी 4. प्रकृतिपरख फागें – अब रित आई बसंत बहारन 5. लोक जीवन की चोकडियॉ – हंसा उड चल देख बिराने सरवर जात सुखाने 3. संतोष सिंह बुंदेला – ऐसौ जो बुंदेलखण्ड है, सौ नौनें से नौनो। मिठोआ है ई कुओं को नीर। लगा रओ कुकरा बसें टेर हमारे रमटेरा की तान सरग तरइयॉ कीनें गिन लई	

अविरत.....2

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2023–24 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय:– समाजशास्त्र

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम): प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक (मेजर–I) कोर्स कोड / A3-SOCI1D
व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे कुल केडिट: 06 कुल अंक: 70 उत्तीर्ण अंक: 35

पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. विद्यार्थीयों समाजशास्त्रीय चिंतन के मूल पाठ को समझ सकेंगे।
2. छात्र विभिन्न विद्वानों के सैद्धांतिक तर्क का आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
3. व्यावहारिक दुनिया में सामाजिक घटना को समझने के लिए विद्यार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांतों को लागू करने में सक्षम होंगे।
4. यह पाठ्यकम भारतीय समाज, संस्कृति एक परम्पराओं की वैज्ञानिक एवं गहन तार्किक सम विद्यार्थी में विकसित करेगा।

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**सामाजिक चिंतन का प्रादुर्भाव –** 1. भारतीय परम्परा में सामाजिक चिंतन 2. पुनर्जागरण काल 3. फ्रांसिसी राज्य कांति का सामाजिक प्रभाव 4. औद्योगिक कांति एवं पूंजीवाद का सामाजिक प्रभाव	
इकाई–2	**समाजशास्त्र के प्रमुख प्रतिपादक –** 1. अगस्त काम्टे – विज्ञानों का संस्करण और चिंतन के तीन स्तरों का नियम 2. इमाईल दुर्खीम – आत्म हत्या का सिद्धांत, यांत्रिकी एवं साव्यवी एकता 3. हरबट स्पेन्सर – सामाजिक उद्विकास का सिद्धांत – समाज का साव्यविक सिद्धांत	
इकाई–3	**समाजशास्त्र के अग्रणी विचारक –** 1. मेक्स वेबर – सामाजिक किया का सिद्धांत, नोकरशाही की अवधारणा 2. कार्ल्माक्स – द्वंदात्मक भौतिकवाद का सिद्धांत, आर्थिक निर्धारणवाद का सिद्धांत 3. रॉबर्ट के मर्टन – प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य, विचलन की अवधारणा	
इकाई–4	**भारतीय समाजशास्त्र के पथप्रदर्शक –** 1. राधा कमल मुकर्जी– मूल्यों का समाजशास्त्र, भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता 2. गोविंद सदाशिव धुर्ये – राष्टीय एकता एवं एकीकरण, भारत में जाती और प्रजाती 3. श्यामाचरण दुबे – भारतीय ग्राम संरचना, परम्परा एवं परिवर्तन	
इकाई–5	**प्रमुख भारतीय सामाजिक विचारक –** 1. मोहनदास करमचंद गांधी – सर्वोदय की अवधारणा, संरक्षकता का सिद्धांत 2. भीमराव अम्बेडकर – सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण 3. स्वामी विवेकानंद – राष्टवाद की अवधारणा, आदर्श समाज की अवधारणा 4. ज्योतिबा फुले – वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक योगदान 5. सावित्री बाई फुल – वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक योगदान 6. दीनदयाल उपाध्याय – एकात्मक मानववाद	

अविरत.....2

अनुशंसित सहायक पुस्तकें :–

1. प्रो.डोसी, एम.एल. एवं जैन पी.सी., 2001, प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक, रावत पब्लिकेशन जयपुर,
2. आर.एन.मुकर्जी – समाज शास्त्रीय विचारों का इतिहास विवेक प्रकाशन, दिल्ली।
3. मुकर्जी– अग्रवाल– पमुख समाज शास्त्रीय विचारक, शिवलाल अग्रवाल एण्ड संस, आगरा
4. गुप्ता – शर्मा – प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, साहित्य भवन, आगरा।
5. ध्रुव दीक्षित – प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, शिवलाल अग्रवाल एण्ड संस, आगरा।
6. महाजन – महाजन – प्रमुख समाज विचारक, रामदास एण्ड संस, आगरा।
7. Yogendra Singh – Modernization of India Tradition.
8. C.A. Coser – Master of Socioiological Thughts.
9. Raymond Aron – Main Currents in Sociological Thughts Vol-I & II

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2023–24 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय:– समाजशास्त्र

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम) : भारतीय जनजातियों का समाजशास्त्र (माइनर–II) कोर्स कोड / A3-SOCI2T
व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे कुल क्रेडिट: 06 कुल अंक: 30रु+70 उत्तीर्ण अंक: 35

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. जनजातीय एवं अनुसूचितयों की अवधारणा एवं उनकी जनांकिकी का ज्ञान विद्यार्थीयों को प्रदान करेगा।
2. भारतीय जनजातीयों की सामाजिक सांस्कृतिक विशिष्टता, उनकी अर्थ व्यवस्था एवं राजनैतिक संगठन को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
3. जनजातीयों की समस्याएं, कारण, संवेधानिक प्रावधान एवं कल्याण कार्यक्रम विद्यार्थीयों के अंदर सह–अस्तित्व की भावना का विकास कर उनकी सोच को तार्किक बनायेंगे।
4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं साक्षात्कार में सफल होने में विद्यार्थियों की सहायता करेगा।
5. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन विद्यार्थियों को शासकीय, अशासकीय एवं स्वेच्छिक संगठनों में रोजगार प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करायेगा।

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**जनजातियों का परिचय –** **1. जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषता** 2. जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति में अंतर 3. जनजातिय जनांकिकी एवं वर्गीकरण 3.1 भौगोलिक, 3.2 भाषाई, 3.3 आर्थिक 3.4 प्रजातीय	
इकाई–2	**जनजातिय समाज –** 1. जनजातिय परिवार 2. जनजातिय विवाह 3. जनजातिय नातेदारी व्यवस्था 4. जनजातिय महिलाओं की परिवर्तनशील स्थिति	
इकाई–3	**जनजातिय आर्थिक एवं राजनैतिक संगठन –** 1. जनजातिय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं 2. जनजातिय अर्थव्यवस्था के स्वरूप 2.1 शिकार एवं खाद्य संग्रह 2.2 पशुपालन 2.3 कृषि 2.4 वनोंपज एवं हाट बाजार 3. जनजातिय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन एवं उत्तरदायी कारक 4. परम्परागत जनजातिय राजनैतिकक संगठन 5. 73वां संविधान संशोधन अधिनियम एवं वर्तमान जनजातिय राजनैतिक संगठन	

अविरत.....2

अनुशंसित सहायक पुस्तकें :–

1. प्रो.डोसी, एम.एल. एवं जैन पी.सी., 2001, प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक, रावत पब्लिकेशन जयपुर,
2. आर.एन.मुकर्जी – समाज शास्त्रीय विचारों का इतिहास विवेक प्रकाशन, दिल्ली।
3. मुकर्जी– अग्रवाल– पमुख समाज शास्त्रीय विचारक, शिवलाल अग्रवाल एण्ड संस, आगरा
4. गुप्ता – शर्मा – प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, साहित्य भवन, आगरा।
5. ध्रुव दीक्षित – प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, शिवलाल अग्रवाल एण्ड संस, आगरा।
6. महाजन – महाजन – प्रमुख समाज विचारक, रामदास एण्ड संस, आगरा।
7. Yogendra Singh – Modernization of India Tradition.
8. C.A. Coser – Master of Socioiological Thughts.
9. Raymond Aron – Main Currents in Sociological Thughts Vol-I & II